Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

SA–305

B.A. (Part–III) Suppl. Examination, 2021

RAJASTHANI

Paper - I

(प्राचीन राजस्थानी काव्य)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(सवालां रा जवाब हिंदी या राजस्थानी में दिया जाय सकै)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

नोट :– अति लघूत्तरात्मक प्रश्न (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। नीचै लिख्या सवालां रो जवाब देवो।

1. (i) ढोला री दो जोड़ायतां रो नांव बताओ।

   (ii) ढोला अर मारू रो मूळ नांव कांई है ?

(iii) पपीहे अर विरहणी रो सूभाव अेक जैड़ो कियां हुवै ?

(iv) राघव चेतन नैं दिल्ली क्यूं जावणो पड़ियो ?

(v) रतनसेन नैं सिंघलदीप कुण पुगावै ?

(vi) राजा रतनसेन किणसूं बैराजी होय'र पद्मिणी री खोज में निकळ्या ?

(vii) राजस्थानी काव्य मांय कित्ता 'काव्य दोष' मान्या जावै ?

(viii) गोरा बादिल कुण हा ?

(ix) 'वयण सगाई' रो कांई अरथ हुवै ?

(x) कोई **चार** काव्य रसां रो नांव लिखो।

खण्ड–ब

नोट :– कोई **पाँच** सवालां रो जवाब देवो। (उत्तर-सीमा **200** शब्द)।

निम्नलिखित पद्यासां री प्रसंग समेत व्याख्या करो–

2. प्रीतम, तोरइ कारणाइ, ताता भात न खाहि।

हियड़ा भीतर प्रिय बसइ, दाझणती डरपाहि॥

हूं बळिहारी सज्जणां, सज्जण मो बळिहार।

हूं सज्जण पग पानही, सज्जण मो गळहार॥

3. बाळऊं, बाबा देसड़उ, पांणी जिहां कुवांह।

आधीरात कुहक्कड़ा, ज्यउं माणसां मुवांह॥

बाळऊं, बाबा, देसड़उ, पांणी संदी ताति।

पाणी केरइ कारणइ, प्री छंडइ अधराति॥

4. रतनसेन राजा रंढाळ, तजि भोजन ऊठिउ ततकाल।

तउ हूं जउ आणुं पदमिणी, भगति जुगति जीमुं ते तणी॥

ए इम गरवी नारी किसुं, नारी आगळि हुं किम खिसुं।

असक्य नहीं हुं आणण नारि, क्यूं ए अबला कहइ अविचार॥

5. घरि घरि गोख घणा पाखती, रंग रमइ बैठा दंपती।

गोखइ गोखि घणी जालिका, तिहां बैठी दीसइ बालिका॥

कमल वदन गजगति गामणी, कोमल तन दीसइं कामिनी।

सात भुयां ऊंचा आवास, लोक वसइं सहुलील विलास॥

6. ढोला रै बिछोह सूं मारवाणी री कांई दसा हुवै ?

7. गोरा-बादिल रै चरित्र नैं उजागर करो।

8. दूहा छंद रो भेदां सहित खुलासो करो।

खण्ड–स

नोट :– किणी **दोय** सवालां रा जवाब दो (उत्तर-सीमा **500** शब्द)।

9. कला पख अर भाव पख रै आधार माथै 'ढोला-मारू रा दूहा' पोथी री समीक्षा करो।

10. 'गोरा-बादिल चरित चउपइ' काव्य रो कथानक बतावता थकां चित्तौड़गढ़ री विसेसतावां बताओ।

11. प्राचीन राजस्थानी काव्य रा खास-खास कवि अर कृतियां रो वरणन करो।

12. राजस्थानी रा कोई **पांच** काव्य दोसां रो वरणन उदाहरण सागै करो।